

एजुकेशन

शिक्षा संस्थानों में आरक्षण में बदलाव नहीं होगा: प्रकाश जावड़ेकर

नई दिल्ली। मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने सोमवार को कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) संबंधी अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन का मकसद देश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना है। साथ ही कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था में किसी तरह का बदलाव नहीं होगा। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान सुगत बोस, सौगत रॉय और असदुद्दीन ओवैसी के प्रश्नों के उत्तर में जावड़ेकर ने कहा कि यूजीसी अब तक अनुदान एवं प्रशासनिक दोनों तरह का काम करती आई है और सरकार इसके काम को दो हिस्सों में बांटना चाहती है। एक हिस्सा अनुदान का होगा और दूसरा नियमन का होगा। उन्होंने कहा कि यूजीसी के स्थान पर आने वाली नई संस्था का संचालन नौकरशाहों द्वारा नहीं, बल्कि शिक्षाविदों द्वारा किया जाएगा। यह स्वतंत्र संस्था होगी।

मंत्री ने कहा कि संशोधन विधेयक का जो मसौदा सार्वजनिक रूप से रखा गया था उसमें और पेश किए जाने वाले विधेयक में बहुत फर्क होगा क्योंकि इसमें बहुत सारे सुझावों को समाहित किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रस्तावित संशोधन से उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी के लिए तय आरक्षण में किसी तरह का बदलाव नहीं होगा। जावड़ेकर ने कहा कि सरकार का इरादा अगले 10 साल में विश्व स्तर के 20 विश्वविद्यालय तैयार करने का है।

'उत्कृष्ट संस्थानों की सूची में केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों को जगह मिलेगी' मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने सोमवार को कहा कि उत्कृष्ट संस्थानों की अगली सूची में देश के कुछ प्रमुख केंद्रीय विश्वविद्यालयों को भी स्थान मिलेगा। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान सुगत बोस, एम थम्बोदुरई और असदुद्दीन ओवैसी के प्रश्नों के उत्तर में जावड़ेकर ने यह भी कहा कि एक निजी कॉर्पोरेट समूह के प्रस्तावित विश्वविद्यालय को उत्कृष्ट संस्थानों की सूची में नियमों के तहत स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि आईटीआई-बंबई, आईआईटी-दिल्ली और आईआईएससी उत्कृष्ट संस्थानों की पहली सूची में जगह दी गई है और आने वाले समय में दूसरी सूची सामने आएगी जिसमें केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों को जगह मिलेगी।

सौगत रॉय से बोले जावड़ेकर - मैं आपसे ट्यूशन लूंगा लोकसभा में सोमवार को अंग्रेजी के एक शब्द के उपयोग को लेकर अलग-अलग राय होने पर मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने तृणमूल कांग्रेस के नेता प्रोफेसर सौगत रॉय से कहा कि मैं आपसे ट्यूशन लूंगा। सदन में प्रश्नकाल के दौरान मंत्री ने शैक्षणिक पत्रिकाओं से जुड़े पूरे प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह टिप्पणी की। जावड़ेकर ने कहा कि प्रीडेटरि एकेडमिक जर्नल्स के संदर्भ में कदम उठाए जा रहे हैं। रॉय ने प्रीडेटरि जर्नल्स शब्द के उपयोग पर अपत्ति जताई और कहा कि यह अंग्रेजी भाषा का विकृत उपयोग है। इस पर मंत्री ने कहा, मैं आपसे ट्यूशन लूंगा...मुझे कुछ शब्द बताइए।

विश्वविद्यालयों से 30 अगस्त तक पत्रिकाओं की समीक्षा करने को कहा गया विश्वविद्यालयों की विभिन्न पत्रिकाओं में पैसे लेकर लेख छपने की खबरों की पृष्ठभूमि में सरकार ने सोमवार को कहा कि सभी विश्वविद्यालयों को उनकी सिफारिश वाली अकादमिक पत्रिकाओं की सूची की 30 अगस्त तक समीक्षा करने को कहा गया है। मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विद्वानों के लेख प्रकाशित करने का दावा करने वाली प्रीडेटरि और घटिया पत्रिकाओं की समस्या पर ध्यान दिया है।

वीडीएस वालों को मिल सकता है एमबीबीएस डॉक्टर बनने का मौका डेंटल कार्डिसिल ऑफ इंडिया (डीसीआई) के एक प्रस्ताव को अगर मेडिकल कार्डिसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) ने स्वीकार कर लिया, तो देश में मौजूद हजारों बीडीएस यानी बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी की पढ़ाई करने वाले छात्रों को एमबीबीएस डॉक्टर बनने का मौका मिल सकता है। दरअसल, डीसीआई ने एमसीआई को बीडीएस पास छात्रों के लिए एमबीबीएस का तीन साल का ब्रिज कोर्स कराने का प्रस्ताव भेजा है। एमसीआई इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर रहा है। देश में जरूरत की तुलना में डॉक्टरों की कमी को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रस्तावित नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) विधेयक में भी आयुष के डॉक्टरों के लिए एक ब्रिज कोर्स का प्रस्ताव रखा था। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एक आला अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की कि एमसीआई के पास बीडीएस पेशेवरों के लिए एमबीबीएस का तीन साल का ब्रिज कोर्स कराने का प्रस्ताव आया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि बीडीएस छात्रों के लिए ब्रिज कोर्स का प्रस्ताव अभी डीसीआई और एमसीआई के बीच है। ऐसे में मंत्रालय की ओर से इस पर टिप्पणी उचित नहीं होगी।

आरटीआई में हुआ खुलासा, गैरकानूनी है कैश ऑन डिलिवरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। ऑनलाइन शॉपिंग करने वालों के लिए कैश ऑन डिलिवरी ने ई-कामर्स मार्केट को लेकर लोगों के दिलों में विश्वास पैदा किया है। वहीं इस माध्यम से ऑनलाइन शॉपिंग कम्पनियों भी ग्रोथ करने में कामयाब हुई हैं। लेकिन अगर आपको पता है कैश ऑन डिलिवरी एक गैरकानूनी माध्यम है। यह रेग्युलेटरी ग्रे एरिया हो सकता है। आरबीआई के



मुताबिक ऐग्रिगेटर्स और एमजॉन-फ्लिपकार्ड जैसी पेमेंट इंटरमीडियरीज पेमेंट्स एंड सेटलमेंट्स सिस्टम्स ऐक्ट, 2007 के तहत अधिकृत नहीं हैं। इस बारे में कुछ एक्सपर्ट्स की मानें तो ये रूल्स कैश ऑन डिलिवरी को अवैध नहीं ठहराते। हालांकि इस बारे में फ्लिपकार्ड और एमजॉन की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। गौर हो कि भारत में ऑनलाइन मार्केट कैश ऑन डिलिवरी पर ही टिकी है और ज्यादातर लोग ऑनलाइन सामान मंगवाते समय पेमेंट करने के लिए इसी विकल्प का इस्तेमाल करते हैं। भारत में फ्लिपकार्ड ने 2010 में इस कैश ऑन डिलिवरी की शुरुआत की थी ताकि लोगों को ऑनलाइन शॉपिंग पर भरोसा हो और ई-कॉमर्स मार्केट ग्रो करे।

जीएसटी दर में कमी से पेंट उद्योग को 10 फीसदी विकास दर की उम्मीद

कोलकाता (आरएनएस)। भारतीय पेंट उद्योग को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दर घटाकर 10 फीसदी कर देने से चालू वित्त वर्ष में बिक्री में 10 फीसदी की बढ़ोतरी की उम्मीद है, क्योंकि उद्योग का मानना है कि इससे मांग बढ़ेगी। जीएसटी परिषद ने शनिवार को अपनी बैठक में पेंट की दरों को 10 फीसदी करने का निर्णय लिया था। भारतीय पेंट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष महेश आनंद ने 55वीं आम बैठक में कहा, इस वित्त वर्ष में हम 10-15 फीसदी वृद्धि दर की उम्मीद कर रहे हैं, क्योंकि जीएसटी दरों में कटौती की गई है। करों की दर घटने से मांग में तेजी की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि दरों में कमी का फायदा ग्राहकों को दिया जाना चाहिए, लेकिन कच्चे माल के दाम बढ़ने समेत अन्य कारणों को देखने के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। आम बैठक को संबोधित करते हुए आनंद ने कहा कि जीएसटी लागू होने के बाद डीलरों द्वारा माल उठाने में कमी के कारण जून और जुलाई 2017 में भारतीय पेंट्स उद्योग पर बहुत ही नकारात्मक प्रभाव पड़ा था।

दो जोड़ी ट्रेनों में लगेगे अतिरिक्त कोच

लखनऊ (आरएनएस)। लंबी होती वेटिंग लिस्ट को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे दो जोड़ी एक्सप्रेस गाड़ियों में अतिरिक्त कोच लगाने जा रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी संजय यादव ने बताया कि रेलवे गोरखपुर-पनवेल एक्सप्रेस व गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस में अतिरिक्त कोच लगाएंगे। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त कोचों की फीडिंग की व्यवस्था तत्काल कर दी गई है, जिससे यात्रियों को इसका तत्काल लाभ मिल सके। इन अतिरिक्त कोचों के सिस्टम पर आते ही गाड़ी के प्रस्थान समय से काफी पहले ही प्रतीक्षा सूची कम होगी या आरक्षण कन्फर्म हो जाएगा। उन्होंने बताया कि 15065 गोरखपुर-पनवेल एक्सप्रेस में 26 जुलाई को गोरखपुर से और 15066 पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस में 27 जुलाई को पनवेल से शयनयान श्रेणी का एक-एक अतिरिक्त कोच लगेगा। इसी प्रकार 15067 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस में 25 जुलाई को गोरखपुर से और 15068 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस में 27 जुलाई को बांद्रा टर्मिनस से शयनयान श्रेणी का एक-एक अतिरिक्त कोच लगाया जाएगा।

मारुति सुजुकी की न्यू स्विफ्ट और न्यू डिजायर कारों की होगी जांच

नयी दिल्ली (आरएनएस)। देश की अग्रणी यात्री कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड न्यू स्विफ्ट और न्यू डिजायर मॉडल की 1279 कारों के एयरबैग कंट्रोल यूनिट में संभावित त्रुटि को दूर करने के लिए इन्हें जांच के लिए मंगायेगी। कंपनी ने बुधवार को कहा कि ये कारें 7 मई 2018 से 5 जुलाई 2018 के बीच बेची गई हैं। इनमें 566 स्विफ्ट और 713 डिजायर हैं। मारुति ने कहा है कि इनमें कार के मालिकों से उसके डीलर 25 जुलाई से संपर्क करके जांच के लिए मंगाया जायेगा और खराब पार्ट को मुफ्त में बदला जायेगा।

एयरटेल ने लांच किया 299 रुपए वाला प्लान, मिलेंगी ये सुविधाएं

नईदिल्ली (आरएनएस)। रिलायंस जियो और वोडाफोन को कड़ी टक्कर देने के लिए एयरटेल ने नए प्लान को लांच किया है। एयरटेल का 299 रुपए वाला यह प्लान प्रोपेड यूजर्स के लिए है। एयरटेल द्वारा पेश किए गए इस प्लान में यूजर्स को



होगा। इस सुविधाओं के अलावा प्रतिदिन 100 फ्री एसएमएस भी मिलेंगे। वैसे तो इस प्लान में सब ठीक है। लेकिन एयरटेल के 299 रुपए वाले प्लान में एक ही कमी है और वो यह कि इसमें यूजर्स को फ्री 4जी पैक नहीं मिलेगा। लेकिन अगर आप

फ्री डाटा पैक की देख में हैं तो आपको एयरटेल के 249 रुपए और 349 रुपए वाले प्लान का रूख करना होगा। इनमें आपको अनलिमिटेड कॉलिंग और फ्री 4जी इंटरनेट की सुविधाएं मिलेंगी। लेकिन इसकी वैलिडिटी 28 दिनों के लिए है।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु General Knowledge

- चोल काल में सड़कों की देखभाल बगान समिति करती थी।
- चोल काल के विशाल व्यापारी समूह निम्न थे- वल्लुजायार, नानादैसी एवं मनिग्रामम्।
- विष्णु के उपासक अलवार एवं शिव के उपासक नयनार संत कहलाते थे।
- देवगिरी के यादव वंश की स्थापना भिल्लम पंचम ने की। इसकी राजधानी देवगिरी थी।
- इस वंश का सबसे प्रतापी राज सिंहण था।
- इस वंश का अंतिम स्वतंत्र शासक रामचन्द्र था, जिसने अलाउद्दीन के सेनापति मलिक काफूर के सामने आत्मसमर्पण किया।
- द्वार समुद्र के होयसल वंश की स्थापना विष्णुवर्धन ने की थी।
- होयसल वंश यादव वंश की एक शाखा थी।
- बेलूर में चेन्ना केशव मंदिर का निर्माण विष्णुवर्धन ने 1117 ई. में किया था।
- होयसल वंश का अंतिम शासक वीर बल्लाल तृतीय था, जिसे मलिक काफूर ने हराया था।
- होयसल वंश की राजधानी द्वारा समुद्र था।
- कदम्ब वंश की स्थापना मयूर शर्मन ने की थी। कदम्ब वंश की राजधानी वनवासी थी।
- गंगवंश संस्थापक ब्रह्महस्त पंचम था।
- अभिलेखों के अनुसार गंगवंश के प्रथम कोंकणी वर्मा था।
- गंगों की प्रारंभिक राजधानी कुवलाल कोलर थी, जो बाद में तलकाड हो गई।
- दत्तकसूत्र पर टीका लिखने वाला गंग शासक माधव प्रथम था।
- काकतीय वंश का संस्थापक बीटा प्रथम था, जिसने नलगोंडा में एक छोटे से राज्य का गठन किया, जिसकी राजधानी अंमकोण्ड थी।
- इस वंश का सबसे शक्तिशाली शासक गणपति था। रूद्रमादेवी गणपति की बेटी थी, जिसने रूद्रदेव महाराज का नाम ग्रमण किया, जिसने 35 वर्ष तक शासन किया।
- गणपति ने अपनी राजधानी वारंगल में स्थानान्तरित कर ली थी।
- इस राजवंश का अंतिम शासक प्रताप रूद्र था।
- पालवंश का संस्थापक गोपाल था।
- गोपाल बौद्ध धर्म का अनुयायी था। इसने ओदन्तपुरी विश्वविद्यालय की स्थापना की थी।
- पालवंश के प्रमुख शासक थे- धर्मपाल, देवपाल, नारायणपाल, महिपाल, नयपाल आदि।
- पालवंश का सबसे महान शासक धर्मपाल या जिसने विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की थी।
- कन्नौज के लिये त्रिपक्षीय संघर्ष पालवंश, गुर्जर प्रतिहार वंश एवं राष्ट्रकूट वंश के बीच हुआ। इसमें पालवंश की ओर से सर्वप्रथम धर्मपाल शामिल हुआ था।
- ग्यारहवीं सदी के गुजराती कवि सोड्डल ने धर्मपाल को उत्तरापथ स्वामी की उपाधि से संबोधित किया है। सोमपुर महाविहार का निर्माण धर्मपाल ने करवाया था।
- ओदन्तपुरी के प्रसिद्ध बौद्धमठ का निर्माण देवपाल ने करवाया था।
- जावा के शैलेन्द्रवंशी शासक बालपुत्र देव के अनुरोध पर देवपाल ने उसे नालंदा में एक बौद्धविहार बनवाने के लिये पांच-गांव दान में दिए थे।

हेल्थ जानें कांच की बोतल में पानी पीने के फायदे...

काम करने की जगह पर हम सभी लोग पानी की बोतल रखते हैं जिससे बार-बार बोतल पानी से भरते रहें और खुद को हाइड्रेट रख पाएं। लेकिन यहां गौर करने वाली बात ये है कि पानी की बोतल आप कौन-सी इस्तेमाल करते हैं।

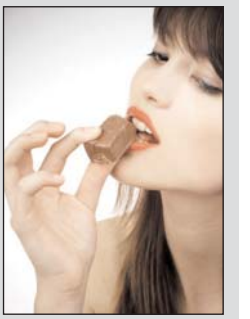


प्लास्टिक, कांच या तांबे की बोतल। सच कहें तो कांच की बोतल में पानी पीना आपकी सेहत के लिए लाभकारी है। प्लास्टिक से ज्यादा कांच की बोतल में पानी पीने से आपकी कई स्वास्थ्य संबंधी फायदे मिलते हैं। आइए जानते हैं कैसे।

कांच की बोतल में फिल्टर हुआ पानी ताजा और प्योर रहता है। इसमें किसी भी तरह का कैमिकल बदलाव नहीं होता है। कांच की बोतल को साफ करना आसान होता है। ये अपनी चमक को बनाए रखती है। फिर चाहे आप इसे कितनी भी बार क्यूं न साफ कर लें। गर्मियां शुरू होते ही लोग बोतल में पानी भरकर फ्रिज में रख देते हैं। हालांकि ठंडा पानी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है लेकिन अगर आप कांच की बोतल में पानी भरकर रख रहे हैं तो एक हफ्ते बाद भी फिल्टर किया पानी वैसा ही रहेगा। इसमें किसी भी तरह का बीपीए या कैमिकल बदलाव नहीं होगा जो आपकी सेहत के लिए हानिकारक साबित हो। कांच की बोतल में अगर आप नींबू, संतरा या कोई भी फल डालते हैं तो ऐसा करना आपके स्वास्थ्य के लिए एकदम सेफ है। वहीं प्लास्टिक की बोतल में ये चीजें खराब हो जाती हैं और एक समय के बाद इनका रंग भी बदल जाता है।

खाने से पहले खाते हैं चॉकलेट तो हो जाएं सावधान! हो सकती है ये बीमारी

रात को सोने से पहले तेल मिर्च मसालेदार खाना खाने से एसिड रिफ्लेक्स की समस्या के कारण आपकी नींद में खलल पैदा हो सकता है। एक अच्छी नींद जितना आपकी सेहत को लिए जरूरी है उतनी ही आपके मूड के लिए भी जरूरी है। अगर नींद पूरी हो जाए तो दिन अच्छा गुजरता है और सेहत भी दुरुस्त रहती है। लेकिन क्या आप जानते हैं आपके रात के खाने की थोड़ी सी लापरवाही आपकी इस नींद में खलल डाल सकती है। हम आपको बताते हैं रात को सोने से पहले आपको वो कौन सी चीजें हैं जो नहीं खानी चाहिए। रात को सोने से पहले फास्ट फूड नहीं खाना चाहिए। ये न केवल आपको बीमार कर सकता है बल्कि आपके शरीर में चर्बी भी बढ़ाता है। सोने से पहले शराब पीना आपकी नींद में खलल डाल सकता है। शुरुआत में तो आपको सोने से पहले शराब पीने से अच्छी नींद आती है लेकिन रोज शराब पीने से आपकी रात की नींद उड़ सकती है। सोने से पहले चॉकलेट खाना खासतौर पर डार्क चॉकलेट आपकी सेहत के लिए अच्छी नहीं है। सोने से पहले चॉकलेट खाने के आदत आपको दिल पर बुरा असर डाल सकती है। और आप इंसोमिनिया यानी नींद न आने की बीमारी से भी घिर सकते हैं। चिकन में क्योंकि प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है इसलिए रात को सोने से पहले चिकन खाने से आपका डाइजेशन 50 प्रतिशत तक धीरे हो जाता है। इसकी वजह से जब आप सो भी रहे हैं तब भी आपके डाइजेशन सिस्टम को ज्यादा काम करना पड़ता है। रात को सोने से पहले तेल मिर्च मसालेदार खाना खाने से एसिड रिफ्लेक्स की समस्या के कारण आपकी नींद में खलल पैदा हो सकता है।



हफ्ते में दो दिन उपवास से पा सकते हैं डायबिटीज पर काबू

डायबिटीज के शिकार लोगों के लिए ब्लड शुगर और वजन को नियंत्रित रखना बेहद जरूरी होता है। इसके लिए डॉक्टर उन्हें संतुलित खानपान या डाइटिंग की सलाह देते हैं। मगर ऑस्ट्रेलिया स्थित यूनीवर्सिटी ऑफ साउथ ऑस्ट्रेलिया के विशेषज्ञों ने दावा किया है कि कैलोरी नियंत्रित करने वाली डाइट की जगह डायबिटीज को अन्य तरीके से भी नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने हफ्ते में दो दिन उपवास रखने और पांच दिन सामान्य खानपान रखने का सुझाव दिया है। शोध में उन्होंने दावा किया है कि इस तरह से भी हफ्ते में उनकी कैलोरी की खपत 600 कैलोरी ही रहेगी। दुनिया में पहली बार हुए अपनी तरह के इस शोध में विशेषज्ञों ने दावा कि टाइप 2 डायबिटीज को नियंत्रित करने के लिए वजन बहुत बढ़ा कारण है। मोटापा टाइप 2 डायबिटीज होने का बहुत बड़ा कारण है। डायबिटीज नियंत्रित करने के लिए कैलोरी आधारित डाइट लेना आम बात है। मगर लिवर में फैट की मौजूदगी ब्लड शुगर को काबू करना मुश्किल हो जाता है। इससे शरीर में इंसुलिन के खिलाफ प्रतिरोध करने लगता है।